प्रेस विज्ञप्ति

भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में एफपीओ की प्रभावशीलता के आकलन हेतु कार्यप्रणाली ढांचे पर हितधारक परामर्श कार्यशाला का आयोजन

नई दिल्ली, 11 मार्च 2026: किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) की प्रभावशीलता के आकलन हेतु *"किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की प्रभावशीलता का आकलन करने के लिए कार्यप्रणालिगत ढांचा"* विषय पर स्टेकहोल्डर्स परामर्श कार्यशाला का आयोजन आज भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में नेमा परियोजना के अंतर्गत किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत डॉ. आर. एन. पडारिया, संयुक्त निदेशक (प्रसार), भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के स्वागत संबोधन से हुई। उन्होंने एफपीओ को सशक्त बनाने तथा किसानों के सामूहिक उद्यमों को बढ़ावा देने के लिए साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन के महत्व पर प्रकाश डाला।

डॉ. रंजय के. सिंह, सहायक महानिदेशक (प्रसार), भा.कृ.अ.प. ने एफपीओ के मूल्यांकन हेतु अवधारणात्मक ढांचा, साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, अनुसंधान रूपरेखा तथा कार्यप्रणाली पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

कार्यशाला में डॉ. सी.एच. श्रीनिवास राव, निदेशक, भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली ने भी अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने किसानों की आय बढ़ाने में एफपीओ की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल देते हुए छोटे और सीमांत का विशेष वर्णन किया जो विपणन सहित कई चुनौतियों का सामना करते हैं। उन्होंने बाजार संपर्कों को सुदृढ़ करने तथा सतत कृषि विकास को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। साथ ही उन्होंने स्टार्ट-अप्स और एफपीओ को सशक्त बनाने के महत्व को भी रेखांकित किया।

डॉ. अंजनी कुमार, निदेशक, भा.कृ.अ.प.-अटारी, पटना ने कार्यशाला का अवलोकन प्रस्तुत करते हुए एफपीओ के कार्य-प्रणाली तथा दीर्घकालिक स्थिरता को समझने के लिए व्यवस्थित मूल्यांकन पद्धतियों की आवश्यकता पर बल दिया।

डॉ. धर्मवीर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प.-अटारी, पटना ने नेमा परियोजना के उद्देश्यों और लक्ष्यों पर प्रकाश डालते हुए किसान समूहों के मूल्यांकन तंत्र को सुदृढ़ करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

एफपीओ से संबंधित मूल्यांकन अनुसंधान और ढांचों की वर्तमान स्थिति पर डॉ. विनायक निकम, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भा.कृ.अ.प. –राष्ट्रीय कृषि अर्थशास्त्र एवं नीति अनुसंधान संस्थान (NIAP), नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुति दी गई।

कार्यशाला में दो तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। पहले सत्र में एफपीओ के प्रदर्शन, प्रभावशीलता तथा प्रभाव को मापने के लिए संकेतकों की पहचान पर चर्चा की गई। इस सत्र में नेशनल एकेडमी ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च मैनेजमेंट (NAARM), हैदराबाद नेशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चर एंड रूरल डेवलपमेंट (NABARD), नई दिल्ली स्मॉल फार्मर्स एग्रीबिजनेस कंसोर्टियम (SFAC), नई दिल्ली इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (IFPRI), नई दिल्ली तथा इंडियन एग्रीकल्चरल स्टैटिस्टिक्स रिसर्च इंस्टीट्यूट (IASRI), नई दिल्ली सहित प्रमुख संस्थानों के विशेषज्ञों ने भाग लिया। देशभर के विभिन्न एफपीओ के सीईओ और प्रतिनिधियों ने भी भागीदारी की। प्रगतिशील किसानों और एफपीओ नेताओं ने एफपीओ की सफलता के मूल्यांकन हेतु व्यावहारिक संकेतकों पर अपने अनुभव और विचार साझा किए।

दूसरे सत्र में एफपीओ के परिणामों के आकलन के लिए मूल्यांकन ढांचे के निर्माण पर विचार-विमर्श किया गया, जिसमें नमूना चयन तकनीकों तथा गुणात्मक और मात्रात्मक उपायों पर चर्चा की गई। अनुसंधान संस्थानों, नीति संगठनों तथा सांख्यिकीय इकाइयों के विशेषज्ञों ने बड़े स्तर पर एफपीओ मूल्यांकन के लिए कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने हेतु अपने सुझाव दिए।

इस परामर्श में वैज्ञानिकों, भा.कृ.अ.प.-अटारी के निदेशकों, नीति-निर्माताओं, एफपीओ प्रतिनिधियों, शोधकर्ताओं तथा अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी रही। इस चर्चा के माध्यम से से एक व्यापक मूल्यांकन ढांचा विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की अपेक्षा है, जो भविष्य की नीतिगत निर्णयों का निर्धारण करने में सहायक होगा।

कार्यशाला का समापन हितधारकों की इस सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ हुआ कि वे किसान उत्पादक संगठनों के व्यवस्थित मूल्यांकन के लिए प्रस्तावित ढांचे को और परिष्कृत तथा क्रियान्वित करने हेतु मिलकर कार्य करेंगे।

PRESS NOTE

Stakeholders' Consultation Workshop on Methodological Framework for Assessing the Effectiveness of FPOs Organized at ICAR-IARI, New Delhi

New Delhi, March 11, 2026: A Stakeholders' Consultation Workshop on *"Methodological Framework for Assessing the Effectiveness of Farmer Producer Organizations (FPOs)"* was organized today at ICAR-IARI, New Delhi under NEMA project.

The programme commenced with a welcome address by Dr. R. N. Padaria, Joint Director (Extension), ICAR-IARI, New Delhi who highlighted the importance of evidence-based assessment for strengthening FPOs and enhancing farmers' collective enterprises.

A detailed discussion on the conceptual framework, evidence-based research, research design, and methodology for FPO evaluation was presented by Dr. Ranjay K. Singh, ADG (Extension), ICAR.

The workshop also featured remarks from Dr. Ch. Srinivasa Rao, Director, ICAR-IARI, New Delhi who emphasized the critical role of FPOs in improving farmers' incomes, especially for small and marginal farmers who face several challenges, including marketing constraints. He stressed the need to strengthen market linkages and promote sustainable agricultural development. He also highlighted the importance of building start-ups and strengthening FPOs.

Dr. Anjani Kumar, Director, ICAR-ATARI, Patna, provided an overview of the workshop and emphasized the need for systematic evaluation methods to understand the functioning and long-term sustainability of FPOs.

Dr. Dharam Veer Singh, Principal Scientist, ICAR-ATARI, Patna elaborated on the aims and objectives of the NEMA project, focusing on strengthening evaluation mechanisms for farmer collectives.

A presentation on the status of evaluation research and frameworks related to FPOs was delivered by Dr. Vinayak Nikam, Senior Scientist, ICAR-National Institute of Agricultural Economics and Policy Research (NIAP), New Delhi.

The workshop also featured two sessions. First Session focused on identifying indicators for measuring the performance, effectiveness, and impact of FPOs. Experts from leading institutions, including the National Academy of Agricultural Research Management (NAARM), Hyderabad the National Bank for Agriculture and Rural Development (NABARD), New Delhi the Small Farmers' Agribusiness Consortium (SFAC), New Delhi the International Food Policy Research Institute (IFPRI), New Delhi and the Indian Agricultural Statistics Research Institute (IASRI), New Delhi participated along with CEOs and representatives of various FPOs across the country. Progressive farmers and FPO leaders also shared their experiences and perspectives on practical indicators for evaluating FPO success.

Second Session deliberated on building an evaluation framework, including sampling techniques and qualitative and quantitative measures for assessing FPO outcomes. Experts from research institutes, policy organizations, and statistical units contributed insights to strengthen methodological approaches for large-scale FPO evaluation.

The consultation witnessed active participation from scientists, directors of ICAR-ATARIs, policymakers, FPO representatives, researchers, policymakers, and other stakeholders. The discussions are expected to contribute significantly toward developing a comprehensive evaluation framework that can guide future policy decisions and strengthen the FPO ecosystem in India.

The workshop concluded with a collective commitment from stakeholders to collaborate in refining and operationalizing the proposed framework for the systematic evaluation of Farmer Producer Organizations.

राजबीर सिंह
सीएच. श्रीनिवास राव

सीएच. श्रीनिवास राव

प्रो. एम एस स्वामीनाथन पुस्तकालय
Prof. M S SWAMINATHAN LIBRARY